खंड 03 | अंक 01 | जनवरी-मार्च, 2025
https://nichimachal.nic.in/news-letter

हिम NIC एनआईसी National Informatics Centre
इंफोर्मेटिक्स
एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा एक त्रैमासिक संवाद पत्र

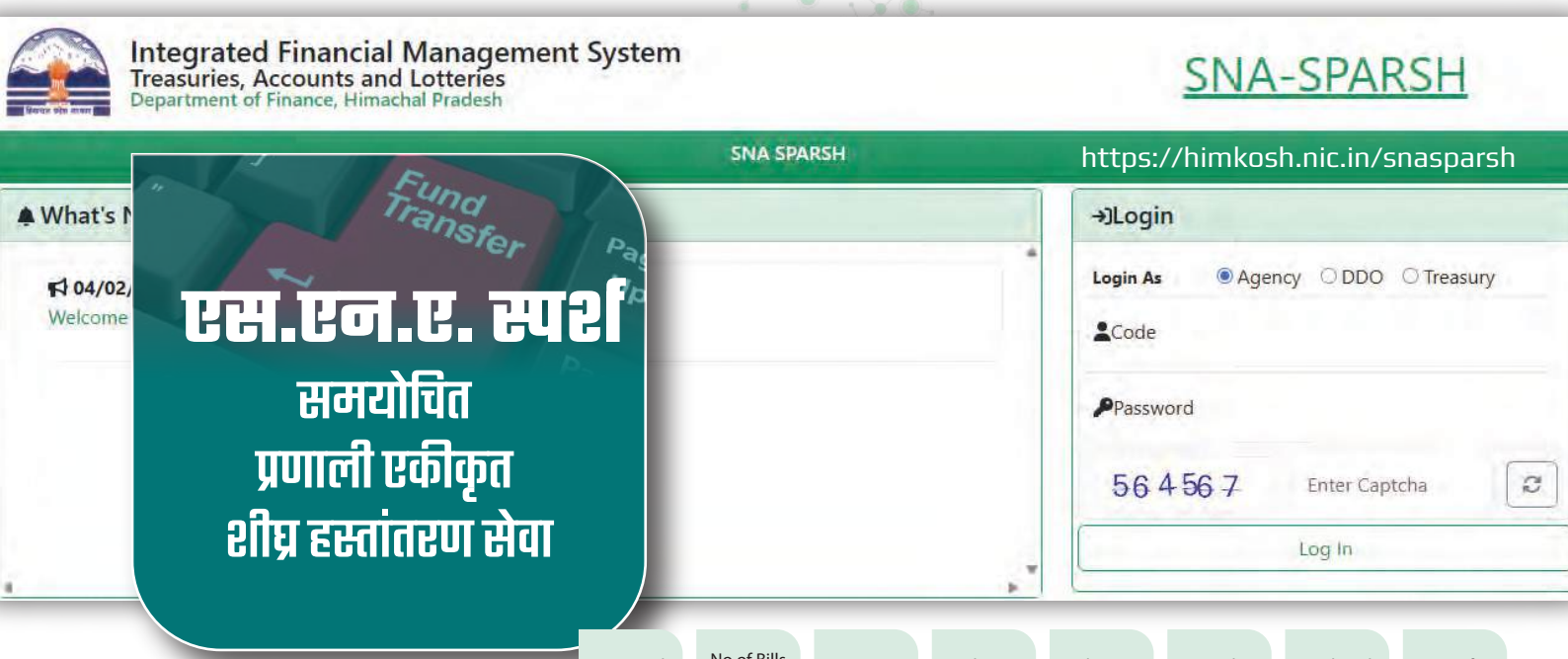

एस.एन.ए. स्पर्श
समयोचित प्रणाली एकीकृत शीघ्र हस्तांतरण सेवा

SNA-Sparsh Transactions	Registered Agency 904	No of Bills (DDO) 2684	Treasury Tokens 2658	Tokens Objected 126	Tokens Pending 102	Total Vouchers 2430	Total Paid Amount 5624871526	No of Beneficiary 19798

नवपरियोजना

हिमाचल प्रदेश सरकार के वित्त विभाग ने जस्ट-इन-टाइम (JIT - Just-In-Time) फंड वितरण प्रणाली को अपनाकर सरकारी वित्तीय प्रबंधन में व्यापक डिजिटल सुधार किए गए हैं। यह प्रणाली पी.एफ.एम.एस. (PFMS), ई-कुबेर (e-Kuber) और प्रदेश सरकार के आई.एफ.एम.आई.एस. (IFMIS) जैसे डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग करके, केंद्र प्रायोजित योजनाओं (CSS) के तहत फंड के निर्बाध प्रबंधन को सुगम बनाती है। प्रदेश स्तर पर इस प्रणाली के प्रभावी एवं पारदर्शी कार्यान्वयन हेतु, राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र (एन.आई.सी.) हिमाचल प्रदेश द्वारा वित्त विभाग हिमाचल प्रदेश के लिए एस.एन.ए. स्पर्श (एकल नोडल एजेंसी - समयोचित प्रणाली एकीकृत शीघ्र हस्तांतरण सेवा) नामक एप्लिकेशन विकसित की गई है जो विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों के समन्वय से फंड ट्रांसफर को सुव्यवस्थित करती है।

यह प्रणाली सुनिश्चित करती है कि फंड केवल आवश्यकतानुसार ही जारी किए जाएं, जिससे सरकारी खातों में बेकार धन जमा न हो। इस प्रणाली से पहले, बड़ी धनराशि विभिन्न खातों में पड़ी रहती थी, जिससे नकदी प्रबंधन में समस्याएं आती थीं। अब, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) सीधे लाभार्थियों को भुगतान करता है, जिससे समय पर फंड ट्रांसफर सुनिश्चित करके अनावश्यक देरी की समाप्ति होती है।

इस प्रणाली के तहत, राज्य नोडल एजेंसियों (SNAs) द्वारा भेजी गई भुगतान फ़ाइलों के आधार पर केंद्र और राज्य दोनों का हिस्सा जारी किया जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक, इस प्रणाली के कार्यान्वयन हेतु एकमात्र बैंकिंग चैनल के रूप में कार्य करता है, जिससे पी.एफ.एम.एस. और राज्य आई.एफ.एम.आई.एस. के माध्यम से पूरे देश में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के फंड का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित होता है।

जस्ट-इन-टाइम एक बहुत ही उपयोगी सेवा है। इस प्रणाली के उपयोग से फंड निष्क्रिय रूप से खातों में नहीं पड़े रहते, जिससे सार्वजनिक धन का बेहतर उपयोग संभव होता है। अप्रयुक्त फंड वित्तीय वर्ष के अंत में स्वचालित रूप से सरकार को वापिस लौट जाता है। बेहतर नकदी प्रबंधन के कारण सरकार को अनावश्यक उधारी लेने की जरूरत भी नहीं पड़ती। डिजिटल ट्रैकिंग से धन पारदर्शी रूप से सही लाभार्थियों तक पहुंचता है तथा इस प्रणाली के कार्यान्वयन हेतु मौजूदा लेखांकन नियमों में भी किसी प्रकार का कोई बदलाव नहीं किया गया है।

एस.एन.ए. स्पर्श द्वारा समर्थित जस्ट-इन-टाइम प्रणाली, सरकारी निधि प्रबंधन को पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाती है और यह सुनिश्चित करती है कि सार्वजनिक धन का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए और उन लोगों को लाभ मिले जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

अतिथि अनुभव

श्री दीपक भारद्वाज, अतिरिक्त निदेशक
कोषागार, लेखा एवं लॉटरी, वित्त विभाग हिमाचल प्रदेश

पिछले पच्चीस वर्षों में, राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र (एन.आई.सी.) द्वारा की गई विभिन्न आई.टी. पहलों के कारण राज्य के वित्तीय प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। इन पहलों का उद्देश्य बेहतर दक्षता के साथ उत्तम सेवाएँ प्रदान करने के लिए सरकार की क्षमता को बढ़ाना है।

एस.एन.ए. स्पर्श एप्लीकेशन, विभिन्न मंत्रालयों द्वारा केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सी.एस.एस.) की निधियों के वित्तीय प्रबंधन के लिए, एन.आई.सी. हिमाचल के वैज्ञानिकों की टीम के समर्पित प्रयासों से विकसित एक नवीनतम उपलब्धि है। पी.एफ.एम.एस., ई-कुबेर और राज्य आई.एफ.एम.आई.एस. को एकीकृत करके विकसित यह प्रणाली सभी हितधारकों को, पारदर्शिता के साथ, जस्ट-इन-टाइम (JIT - Just-In-Time) के अन्तर्गत धन जारी एवं हस्तांतरण सुनिश्चित करने तथा निष्क्रिय शेष राशि को कम करने की सुविधा प्रदान करती है।

यह प्रणाली, राज्य नोडल एजेंसियों (SNAs) के व्यय बिलों को सुव्यवस्थित करने, संसाधनों के उत्तम उपयोग एवं नकदी प्रबंधन में सुधार करती है। वर्तमान समय में सीमित भौतिक एवं श्रमशक्ति संसाधनों के कुशलतापूर्वक उपयोग के साथ यह प्रणाली सभी हितधारकों को अधिक सुसंगत एवं प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम बनाती है।

मैं, राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र (एन.आई.सी.), शिमला को यह उत्कृष्ट सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन विकसित करने के लिए अपनी हार्दिक प्रशंसा व्यक्त करना चाहता हूँ तथा इस सॉफ्टवेयर को भविष्य में और अधिक बेहतर बनाने के लिए निरंतर सहयोग की आशा करता हूँ।

टेक टिप्स

आवश्यक कंप्यूटर टिप्स

- अपने ऑपरेटिंग सिस्टम और सॉफ़्टवेयर एप्लिकेशन को सदैव अद्यतन रखें।
- बाहरी ड्राइव या सुरक्षित क्लाउड सेवाओं का उपयोग करके नियमित रूप से अपने महत्वपूर्ण डेटा का बैकअप लें।
- अपने कंप्यूटर को नियमित रूप से विश्वसनीय एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर से स्कैन करें।
- महत्वपूर्ण दस्तावेजों को आसानी से खोजने के लिए, फ़ाइलों को तिथि या प्रोजेक्ट के अनुसार फ़ोल्डरों में व्यवस्थित करें।
- अप्रयुक्त प्रोग्राम और टैब बंद कर दें क्योंकि बहुत अधिक एप्लिकेशन या ब्राउज़र टैब चलाने से कंप्यूटर धीमा हो सकता है।
- अत्यधिक संवेदनशील फ़ाइलों को अपने कंप्यूटर या क्लाउड पर संग्रहीत करने से पहले उन्हें एन्क्रिप्ट करके सहेजें। VeraCrypt या बिल्ट-इन एन्क्रिप्शन टूल (जैसे, Windows के लिए BitLocker और macOS के लिए FileVault) का उपयोग किया जा सकता है।
- ऑनलाइन शेयर की जाने वाली जानकारी के प्रति सावधान रहें। विशेषकर सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर व्यक्तिगत जानकारी सीमित रखें और अपनी गोपनीयता सेटिंग अपडेट करते रहें।

नवीनतम गतिविधियां

- माननीय मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश, श्री सुखविन्द्र सिंह ने नेवा (राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन) के माध्यम से, 17 मार्च 2025 को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट अनुमान प्रस्तुत किए।
- हिमाचल प्रदेश सरकार के वित्त विभाग में निधियों के एकीकृत त्वरित हस्तांतरण के लिए एक वास्तविक समय प्रणाली, एस.एन.ए. स्पर्श को कार्यान्वित किया गया।
- परिवहन विभाग के लिए राज्य में पी.यू.सी. 2.0 (प्रदूषण नियंत्रण) और डिफॉल्टर वाहनों की स्वचालित पहचान के लिए ई-डिटेक्शन एप्लीकेशन को लागू किया गया।

- माननीय रक्षा मंत्री, श्री राजनाथ सिंह ने माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 24 फरवरी 2025 को भागलपुर, बिहार में आयोजित 19वें पी.एम. किसान सम्मान निधि किश्त विमोचन समारोह में कृषि विज्ञान केंद्र सुंदरनगर से वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

- इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा 11 फरवरी 2025 को राज्य मुख्यालय और जिलों में "एक साथ बेहतर इंटरनेट के लिए" थीम के तहत सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह (जनवरी, 2025) के दौरान, सड़क सुरक्षा में शामिल सभी हितधारकों के लिए, राज्य परिवहन विभाग और एन.आई.सी. द्वारा 18 जनवरी, 2025 को हिपा में iRAD/eDAR परियोजना पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 जनवरी 2025 को स्वामित्व योजना के तहत जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश के 1106 मालिकों को वर्चुअल माध्यम से संपत्ति कार्ड वितरित किए।

गंतव्य

कमरु नाग

कमरु नाग, हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले की कसोर घाटी के कमराह गांव में देवदार, स्प्रूस और ओक के घने जंगलों से घिरा हुआ एक अद्भुत पहाड़ी स्थल है। यहां स्थित कमरु नाग झील समुद्र तल से 10,938 फीट की ऊंचाई पर है। इस शांत एवं पवित्र स्थल से धौलाधार पर्वत श्रृंखला और बल्ह घाटी के मनोहारी दृश्य देखने को मिलते हैं।

कमरु नाग को "वर्षा के देवता" के रूप में जाना जाता है। परंपरा के अनुसार, जब श्रद्धालुओं की मनोकामनाएँ पूरी होती हैं, तो वे सिक्कों तथा सोने एवं चांदी के आभूषणों के रूप में नाग देवता को भेंट अर्पित करते हैं। इस चढ़ावे को बैंकों में जमा नहीं किया जाता, बल्कि श्रद्धा से कमरु नाग झील में विसर्जित कर दिया जाता है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और झील को अत्यंत धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व प्रदान करती है। प्रत्येक वर्ष 14 जून को यहां 'कमरु नाग जातर' नामक वार्षिक मेला आयोजित होता है, जिसमें दूर-दराज़ से श्रद्धालू यहाँ पहुंचकर अच्छी फसल और समृद्धि की कामना करते हैं।

देव कमरु नाग का मूल नाम रतन यक्ष था। वे भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र थे। एक स्वयं-शिक्षित योद्धा के रूप में उन्होंने भगवान विष्णु की मूर्ति को अपना गुरु मानकर साधना की।

कमरु नाग तक पहुँचने के लिए यात्रा की शुरुआत आमतौर पर एक छोटे से गांव रोहांडा से होती है। लगभग 6 किलोमीटर लंबा यह ट्रेक घने जंगलों से होकर गुजरता है और इसे तय करने में करीब 3 से 4 घंटे का समय लगता है। यह मार्ग मध्यम रूप से चुनौतीपूर्ण है और नवीन तथा अनुभवी दोनों प्रकार के ट्रेकर्स के लिए उपयुक्त है।

कमरु नाग जाने का आदर्श समय अप्रैल से सितंबर के बीच है। इस दौरान मौसम सुहावना होता है और ट्रैकिंग के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ होती हैं। सर्दियों में अधिकतर समय झील जमी रहती है और यहाँ पहुंचना भी कठिन होता है।

कैसे पहुँचें

हवाई मार्ग द्वारा रोहांडा से निकटतम हवाई अड्डा, लगभग 104 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के भुंतर में स्थित है। इसके अतिरिक्त, शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा चंडीगढ़ लगभग 177 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है जहां से टैक्सी या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करके रोहांडा गाँव तक पहुंचा जा सकता है।

रेल द्वारा रोहांडा से निकटतम रेल संपर्क, जोगिंदर नगर में नैरो-गेज लाइन है जो लगभग 101 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

सड़क मार्ग द्वारा सुन्दरनगर से सड़क मार्ग द्वारा 35 किलोमीटर दूर स्थित रोहांडा गाँव पहुंचकर, 6 किलोमीटर का ट्रेक करके कमरु नाग झील तक पहुँचा जा सकता है। सुन्दरनगर सभी प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

टेक अपडेट

जनरेटिव ए.आई.

जनरेटिव ए.आई., कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की एक शाखा है, जो जनरेटिव मॉडल का उपयोग करके शब्द (Text), चित्रों, वीडियो और अन्य डेटा स्वरूपों का निर्माण करती है। ये मॉडल प्रशिक्षण डेटा में मौजूद पैटर्न और संरचनाओं का विश्लेषण करके, इनपुट के आधार पर नया कंटेंट उत्पन्न करते हैं। जनरेटिव ए.आई. का सबसे पुराना उदाहरण ELIZA है, जो 1961 में जोसेफ वीज़नबाम द्वारा विकसित एक प्रारंभिक चैटबॉट था। ELIZA एक शब्द आधारित संवाद कार्यक्रम था, जो प्राकृतिक भाषा में मानव इनपुट का उत्तर देता था।

जनरेटिव ए.आई. टूल्स की श्रेणियां

- **टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट (TTT)** ये टूल टेक्स्ट प्रॉम्प्ट के आधार पर टेक्स्ट उत्पन्न करते हैं। ChatGPT, DeepSeek, Grok आदि इसके प्रमुख उदाहरण हैं।
- **टेक्स्ट-टू-इमेज (TTI)** ये टूल 2D या 3D चित्र बना सकते हैं या मौजूदा चित्रों को संशोधित कर सकते हैं। MidJourney, DALL-E, Stable Diffusion, Jasper Art आदि इसके प्रमुख उदाहरण हैं।
- **अन्य श्रेणियां**
  - टेक्स्ट-टू-वीडियो – यह टेक्स्ट विवरण के आधार पर वीडियो बनाते हैं।
  - स्पीच-टू-टेक्स्ट - यह बोले गए शब्दों को लिखित टेक्स्ट में बदलते हैं।
  - टेक्स्ट-टू-ऑडियो - यह टेक्स्ट से ध्वनि प्रभाव या संगीत उत्पन्न करते हैं।
  - इमेज-टू-टेक्स्ट - यह चित्रों से टेक्स्ट निकालते हैं।
  - इमेज-टू-इमेज - यह मौजूदा चित्रों को सुधारते या संशोधित हैं।
  - इमेज-टू-वीडियो - यह चित्रों को एनिमेटेड अनुक्रमों में परिवर्तित करते हैं।
  - वीडियो-टू-वीडियो - यह वीडियो सामग्री को सुधारते या परिवर्तित करते हैं।

जनरेटिव ए.आई. के उपयोग

- कस्टमर सपोर्ट में चैटबॉट्स का उपयोग।
- फिल्मों और शैक्षिक सामग्री की डबिंग में सुधार।
- ईमेल, सारांश, निबंध आदि की रचना में सहायता।
- उत्पाद डेमो वीडियो को उन्नत बनाना।
- वास्तुशिल्प और उत्पाद डिज़ाइन में सहायता करना।
- सेमीकंडक्टर चिप डिज़ाइन का अनुकूलन।
- विभिन्न शैलियों में संगीत की रचना।

जोखिम और चिंताएं

- **नैतिक मुद्दे** कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित सामग्री में अनपेक्षित पूर्वाग्रह और नैतिक दुविधाएं हो सकती हैं।
- **भ्रम फैलाना** यह तकनीक गलत जानकारी और फर्जी कंटेंट के प्रसार में योगदान कर सकती है।
- **पक्षपात को बढ़ावा** कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल प्रशिक्षण डेटा में मौजूद पूर्वाग्रहों को बढ़ा सकते हैं।
- **सुरक्षा खतरे** इस तकनीक की संभावित कमजोरियों का दुरुपयोग किया जा सकता है, जिससे डेटा और सिस्टम को खतरा हो सकता है।

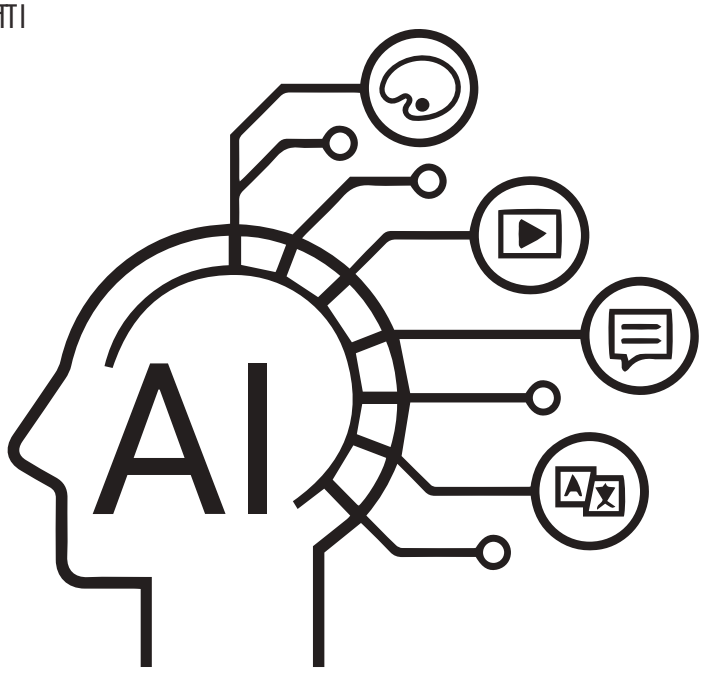

फॅमिली कनैक्ट

29 वर्षों से अधिक समय की बहुमूल्य सेवाएं प्रदान करने के बाद, श्री विजय कुमार 31 मार्च 2025 को सरकारी सेवा से अधिवर्षिता पर, एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश से जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी एवं वैज्ञानिक-ई के पद से सेवानिवृत्त हुए।

एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश, श्री विजय कुमार को एक सुखद, स्वस्थ एवं आनंददायक सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं देता है।

परामर्श : श्री अजय सिंह चैहल

संवाद पत्र टीम

मुख्य संपादक : श्री विनोद कुमार गर्ग
संपादक : श्री भूपिंदर पाठक, श्री अखिलेश भारती,
श्री बृजेन्द्र कुमार डोगरा
डिजाईन एवं रचनात्मक कलाएं : श्री सर्वजीत कुमार

यदि आप प्रतिभा के साथ उत्कृष्टता प्राप्त नहीं कर सकते हैं, तो प्रयास से विजयी बनें।

डेव वीनबाउम

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र
हिमाचल प्रदेश राज्य केन्द्र, छठी मंजिल, आम्सडिल बिल्डिंग
हिमाचल प्रदेश सचिवालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश - 171002
sio-hp@nic.in +91-177-2624045
https://himachal.nic.in

योगदानकर्ता
श्री विजय कुमार गुप्ता
श्री अश्विनी कुमार
श्री पृथ्वी राज

अस्वीकरण: लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, और लेखों में निहित तथ्यों एवं सूचना की सटीकता की जिम्मेदारी लेखकों की है।